

## UTAH SOUTHERN RAILROAD

On and after Feb. 25, 1875.

Going South.

Name of Station	No. 1. Pass.	No. 2. Pass.	No. 3. Pass.	No. 4. Pass.	No. 5. Pass.	Fares.
Trains leave	4:45	4:45	4:45	4:45	4:45	25
Salt Lake	7:00	7:00	7:00	7:00	7:00	25
Little Cottonwood	7:05	7:05	7:05	7:05	7:05	25
Junction	7:10	7:10	7:10	7:10	7:10	25
Arrive at Sandy	7:50	7:40	3:00	1:00		
Leave Sandy	1:00					
Diamond	2:18					
Lehi	3:00					
Arrive at Provo	3:45					
Pineapple Grove	3:55					
Provo	10:15					
Spanish Fork	10:30					
Peyton	11:00					
Saint George	11:45					
Arrive at Terminus	12:00					
Terminus						4:00

Going North

Name of Station	No. 1. Pass.	No. 2. Pass.	No. 3. Pass.	No. 4. Pass.	No. 5. Pass.	Fares.
Trains leave	7:00	7:00	7:00	7:00	7:00	25
Torquay	12:00					
Payson	1:45					1:00
Springville	2:05					1:00
Provo	2:08					1:00
Pineapple Grove	2:30					1:00
American Fork	2:30					1:00
Lehi	3:20					1:00
Draper	4:20					1:00
Arrive at Salt Lake	4:37					
Leave Salt Lake	4:47	8:00	6:00	2:00		
Junction	4:51	10:10	5:10	2:25		
Little Cottonwood	5:11	9:45	5:40	2:30		
Arrive at Salt Lake	5:40	10:30	8:15	4:00		

Trains will run daily.

For all information concerning Freight or Passage, apply to

F. LITTLE,  
General Superintendent.

JAMES SHARP,  
General Freight and Ticket Agent.

## UTAH NORTHERN RAILROAD.

ON AND AFTER

OCTOBER 13th, 1875.

Trains will run Daily as follows:

### NORTHWARD.

| No. 1. | No. 2. | No. 3. | No. 4. | No. 5. | No. 6. | No. 7. | No. 8. | No. 9. | No. 10. | No. 11. | No. 12. | No. 13. | No. 14. | No. 15. | No. 16. | No. 17. | No. 18. | No. 19. | No. 20. | No. 21. | No. 22. | No. 23. | No. 24. | No. 25. | No. 26. | No. 27. | No. 28. | No. 29. | No. 30. | No. 31. | No. 32. | No. 33. | No. 34. | No. 35. | No. 36. | No. 37. | No. 38. | No. 39. | No. 40. | No. 41. | No. 42. | No. 43. | No. 44. | No. 45. | No. 46. | No. 47. | No. 48. | No. 49. | No. 50. | No. 51. | No. 52. | No. 53. | No. 54. | No. 55. | No. 56. | No. 57. | No. 58. | No. 59. | No. 60. | No. 61. | No. 62. | No. 63. | No. 64. | No. 65. | No. 66. | No. 67. | No. 68. | No. 69. | No. 70. | No. 71. | No. 72. | No. 73. | No. 74. | No. 75. | No. 76. | No. 77. | No. 78. | No. 79. | No. 80. | No. 81. | No. 82. | No. 83. | No. 84. | No. 85. | No. 86. | No. 87. | No. 88. | No. 89. | No. 90. | No. 91. | No. 92. | No. 93. | No. 94. | No. 95. | No. 96. | No. 97. | No. 98. | No. 99. | No. 100. | No. 101. | No. 102. | No. 103. | No. 104. | No. 105. | No. 106. | No. 107. | No. 108. | No. 109. | No. 110. | No. 111. | No. 112. | No. 113. | No. 114. | No. 115. | No. 116. | No. 117. | No. 118. | No. 119. | No. 120. | No. 121. | No. 122. | No. 123. | No. 124. | No. 125. | No. 126. | No. 127. | No. 128. | No. 129. | No. 130. | No. 131. | No. 132. | No. 133. | No. 134. | No. 135. | No. 136. | No. 137. | No. 138. | No. 139. | No. 140. | No. 141. | No. 142. | No. 143. | No. 144. | No. 145. | No. 146. | No. 147. | No. 148. | No. 149. | No. 150. | No. 151. | No. 152. | No. 153. | No. 154. | No. 155. | No. 156. | No. 157. | No. 158. | No. 159. | No. 160. | No. 161. | No. 162. | No. 163. | No. 164. | No. 165. | No. 166. | No. 167. | No. 168. | No. 169. | No. 170. | No. 171. | No. 172. | No. 173. | No. 174. | No. 175. | No. 176. | No. 177. | No. 178. | No. 179. | No. 180. | No. 181. | No. 182. | No. 183. | No. 184. | No. 185. | No. 186. | No. 187. | No. 188. | No. 189. | No. 190. | No. 191. | No. 192. | No. 193. | No. 194. | No. 195. | No. 196. | No. 197. | No. 198. | No. 199. | No. 200. | No. 201. | No. 202. | No. 203. | No. 204. | No. 205. | No. 206. | No. 207. | No. 208. | No. 209. | No. 210. | No. 211. | No. 212. | No. 213. | No. 214. | No. 215. | No. 216. | No. 217. | No. 218. | No. 219. | No. 220. | No. 221. | No. 222. | No. 223. | No. 224. | No. 225. | No. 226. | No. 227. | No. 228. | No. 229. | No. 230. | No. 231. | No. 232. | No. 233. | No. 234. | No. 235. | No. 236. | No. 237. | No. 238. | No. 239. | No. 240. | No. 241. | No. 242. | No. 243. | No. 244. | No. 245. | No. 246. | No. 247. | No. 248. | No. 249. | No. 250. | No. 251. | No. 252. | No. 253. | No. 254. | No. 255. | No. 256. | No. 257. | No. 258. | No. 259. | No. 260. | No. 261. | No. 262. | No. 263. | No. 264. | No. 265. | No. 266. | No. 267. | No. 268. | No. 269. | No. 270. | No. 271. | No. 272. | No. 273. | No. 274. | No. 275. | No. 276. | No. 277. | No. 278. | No. 279. | No. 280. | No. 281. | No. 282. | No. 283. | No. 284. | No. 285. | No. 286. | No. 287. | No. 288. | No. 289. | No. 290. | No. 291. | No. 292. | No. 293. | No. 294. | No. 295. | No. 296. | No. 297. | No. 298. | No. 299. | No. 300. | No. 301. | No. 302. | No. 303. | No. 304. | No. 305. | No. 306. | No. 307. | No. 308. | No. 309. | No. 310. | No. 311. | No. 312. | No. 313. | No. 314. | No. 315. | No. 316. | No. 317. | No. 318. | No. 319. | No. 320. | No. 321. | No. 322. | No. 323. | No. 324. | No. 325. | No. 326. | No. 327. | No. 328. | No. 329. | No. 330. | No. 331. | No. 332. | No. 333. | No. 334. | No. 335. | No. 336. | No. 337. | No. 338. | No. 339. | No. 340. | No. 341. | No. 342. | No. 343. | No. 344. | No. 345. | No. 346. | No. 347. | No. 348. | No. 349. | No. 350. | No. 351. | No. 352. | No. 353. | No. 354. | No. 355. | No. 356. | No. 357. | No. 358. | No. 359. | No. 360. | No. 361. | No. 362. | No. 363. | No. 364. | No. 365. | No. 366. | No. 367. | No. 368. | No. 369. | No. 370. | No. 371. | No. 372. | No. 373. | No. 374. | No. 375. | No. 376. | No. 377. | No. 378. | No. 379. | No. 380. | No. 381. | No. 382. | No. 383. | No. 384. | No. 385. | No. 386. | No. 387. | No. 388. | No. 389. | No. 390. | No. 391. | No. 392. | No. 393. | No. 394. | No. 395. | No. 396. | No. 397. | No. 398. | No. 399. | No. 400. | No. 401. | No. 402. | No. 403. | No. 404. | No. 405. | No. 406. | No. 407. | No. 408. | No. 409. | No. 410. | No. 411. | No. 412. | No. 413. | No. 414. | No. 415. | No. 416. | No. 417. | No. 418. | No. 419. | No. 420. | No. 421. | No. 422. | No. 423. | No. 424. | No. 425. | No. 426. | No. 427. | No. 428. | No. 429. | No. 430. | No. 431. | No. 432. | No. 433. | No. 434. | No. 435. | No. 436. | No. 437. | No. 438. | No. 439. | No. 440. | No. 441. | No. 442. | No. 443. | No. 444. | No. 445. | No. 446. | No. 447. | No. 448. | No. 449. | No. 450. | No. 451. | No. 452. | No. 453. | No. 454. | No. 455. | No. 456. | No. 457. | No. 458. | No. 459. | No. 460. | No. 461. | No. 462. | No. 463. | No. 464. | No. 465. | No. 466. | No. 467. | No. 468. | No. 469. | No. 470. | No. 471. | No. 472. | No. 473. | No. 474. | No. 475. | No. 476. | No. 477. | No. 478. | No. 479. | No. 480. | No. 481. | No. 482. | No. 483. | No. 484. | No. 485. | No. 486. | No. 487. | No. 488. | No. 489. | No. 490. | No. 491. | No. 492. | No. 493. | No. 494. | No. 495. | No. 496. | No. 497. | No. 498. | No. 499. | No. 500. | No. 501. | No. 502. | No. 503. | No. 504. | No. 505. | No. 506. |
<th
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |